an>

Title: Need to give special package to farmers in Uttar Pradesh who lost their crops due to hailstorm.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : सभापति महोदय, इस समय पूरे देश में किसानों पर आयी प्राकृतिक आपदा की चर्चा हो रही है। कहते हैं कि मुसीबत अकेले नहीं आती। उत्तर प्रदेश के किसानों के साथ ऐसा ही हो रहा है। पहले आसमानी कहर के कारण फसलें बर्बाद हो गयीं, फिर उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों को बहुत कम मुआवजे तथा बाउंस होने वाले चैक देकर किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है।

इस साल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा की वजह से खेत उजड़े, फसलें बर्बाद हुई। जब हताश-निराश हमारे किसान भाइयों ने कहीं कर्ज के कारण, कहीं बेटी की शादी के कारण, कहीं अन्य जिम्मेदारियों की वजह से तथा प्रदेश सरकार द्वारा समय पर सरकारी राहत उपलब्ध न होने के सदमे के कारण आपदाग्रस्त एक हजार से ज्यादा किसनों की मौत 18 अप्रैल तक हो चुकी है। 20-21 अप्रैल, यानी मात्र 24 घंटे के अंदर उत्तर प्रदेश में 54 किसानों की मौत हुई। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों के प्रशासन ने एकाध अपवाद को छोड़कर इन मौतों को सामान्य मौतें बताया है।

एक तरफ तो पूरे उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि, आंधी-पानी की वजह से फसलों का भारी नुकसान हुआ है, वहीं उत्तर प्रदेश की सरकार इतनी संवेदनहीन है कि उनके मंत्री भव्य आयोजनों में सोने के मुकुट पहन रहे हैं व विदेशी संगीत का लुत्फ उठा रहे हैं। वहीं किसानों को 1500 रुपये से कम के चैक न देने की घोषणा के बाद भी कम राशि के चैक दिये जा रहे हैं। फसलों के नुकसान का ठीक से आंकलन भी नहीं हो रहा है तथा किसानों को जो चैक दिये जा रहे हैं, वे बाउंस हो रहे हैं, जिसके कारण किसानों के मन में आक्रोश है।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश सरकार की संवेदनहीनता के कारण वहां के किसानों को सदमे व हताशा से उबारने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। इसलिए सरकार उत्तर प्रदेश सरकार की बजाय स्वयं योजना बनाकर प्रदेश के किसानों की सहायता करे। धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON:

Shri Bhairon Prasad Mishra is permitted to associate with the issue raised by Shri Ajay Misra Teni.